प्रश्न :- भक्तिकालीन राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक, एवं साहित्यिक परिस्थितियों का विवरण दें ?

अथवा

पूर्वमध्यकाल के साहित्य की ऐतिहासिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का परिचय दीजिए ?

अथवा

भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक चेतना पर प्रकाश डालें ?

उत्तर – शेषभाग :

(ख) सामाजिक परिस्थिति

इस काल की अशांत एवं संघर्षमयी राजनीतिक परिस्थितियों के साथ-साथ सामाजिक स्थिति भी शोचनीय थी। समाज विशृंखल एवं जीर्ण अवस्था में था।

1. चौदहवीं – पन्द्रवीं शताब्दी में मुसलमान तथा हिन्दुओं के जीवन के विविध क्षेत्रों में आदान-प्रदान हुआ। हिन्दुओं में वर्ण-व्यवस्था का रूप अधिक कठोर हो गया था।
2. इस समय हिन्दू और मुसलमानों के परस्पर विवाह सम्बन्ध के भी उदाहरण मिलते हैं। अकबर की कई रानियाँ हिन्दू थीं। लड़की पति का धर्म स्वीकार कर लेती थी। समाज में विशेषकर मुसलमान तथा अमीर व्यक्तियों में बहुविवाह की प्रथा भी थी।
3. हिन्दुओं की सत्ता विनष्ट हो रही थी। मुसलमानों के अत्याचारों के कारण समाज का नैतिक पतन हो रहा था। बहुतेरे हिन्दू विविध कारणों से मुसलमान बन रहे थे। हिन्दू जाति की शक्ति का ह्रास हो रहा था।
4. मुगलवंशीय बादशाहों की धार्मिक उदारता के कारण हिन्दू और मुसलमान एक दूसरे के समीप आने लगे। अकबर और शाहजहाँ ने दोनों जातियों को विवाह तथा शिल्पकला आदि से एक-दूसरे को निकट समझने का अवसर दिया।
5. हिन्दुओं की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इतिहासकार बर्नियर ने लिखा है – "उन हिन्दुओं के पास धन